मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 5

MHD–4

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.एच.डी.-4 : नाटक और अन्य गद्य विधाएँ

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i)* ***प्रथम*** *प्रश्न अनिवार्य है।*

(ii) शेष प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** *के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 3×12=36

(क) सरल युवक! इस गतिशील जगत् में परिवर्तन पर आश्चर्य! परिवर्तन रुका कि महापरिवर्तन-प्रलय-हुआ !

परिवर्तन ही सृष्टि है, जीवन है। स्थिर होना मृत्यु है, निश्चेष्ट शांति मरण है। प्रकृति क्रियाशील है। समय पुरुष और स्त्री की गेंद लेकर दोनों हाथों से खेलता है।

(ख) पता नहीं

प्रभु है या नहीं

किंतु उस दिन यह सिद्ध हुआ

जब कोई भी मनुष्य

अनासक्त होकर चुनौती देता है इतिहास को,

उस दिन नक्षत्रों की दिशा बदल जाती है।

नियति नहीं है पूर्वनिर्धारित—

उसको हर क्षण मानव-निर्णय बनाता-मिटाता है।

(ग) धन का जो लोभ मानसिक व्याधि या व्यसन के रूप में होता है उसका प्रभाव अंत:करण की शेष वृत्तियों पर यह होता है कि वे अनभ्यास से कुंठित हो जाती हैं। जो लोभ और मान-अपमान के भाव को, करुणा और दया

के भाव को, न्याय–अन्याय के भाव को, यहाँ तक कि अपने कष्ट–निवारण या सुख–भोग की इच्छा तक को दबा दे, वह मनुष्यता को कहाँ तक रहने देगा ?

(घ) तब तो बंगाल अभी जीवित है। आज भी वह अपना रास्ता खोज निकालना जानता और चाहता है। भूख से व्याकुल होकर भी यह भारत का संस्कृति–जनक सिर झुकाने को तैयार वहीं है। आज भी वह इन सब आँधी–तूफानों को झेलकर फिर से विराट रूप में फूट निकलना चाहता है।

(ङ) सांप्रदायिकता सदैव संस्कृति की दुहाई दिया करती है। उसे अपने असली रूप में निकलते शायद लज्जा आती है, इसलिए वह उस गधे की भाँति जो सिंह की खाल ओढ़कर जंगल के जानवरों पर रोब जमाता फिरता था, संस्कृति का खोल चढ़ाकर आती है।

2. हिन्दी की नाट्य परंपरा में मोहन राकेश का स्थान निर्धारित कीजिए। 16

3. 'अंधेर नगरी' की रंगमंचीय विशिष्टताओं का उल्लेख कीजिए। 16

4. 'स्कंदगुप्त' नाटक के आधार पर स्कंदगुप्त का चरित्र-चित्रण कीजिए। 16

5. गीतिनाट्य के संदर्भ में 'अंधायुग' की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 16

6. 'संस्कृति और जातीयता' निबंध के वैचारिक परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत कीजिए। 16

7. 'कुटज' को ललित निबंध क्यों कहा जाता है ? 'कुटज' को ध्यान में रखकर स्पष्ट कीजिए। 16

8. 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' आत्मकथा का मूल्यांकन कीजिए। 16

9. 'आधे-अधूरे' नाटक की प्रयोगधर्मिता पर सोदाहरण प्रकाश डालिए। 16

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$2 \times 8 = 16$

(क) 'अंधेर नगरी' की प्रासंगिकता

(ख) 'ठकुरी बाबा' का रचना-सौंदर्य

(ग) 'धोखा' निबंध की भाषा

(घ) जीवनी और आत्मकथा

× × × × ×